

प्र.1 गमे ते चार नी व्याख्या करो.

14

- 1, ण लवेज्ज पुडो सावज्जं न निरत्थं न मम्मयं अप्पणद्वा परद्वा वा उभयस्संतरेण वा ॥
- 2, अप्पा चेव दमियव्वो अप्पा हु खलु दुद्धमो अप्पा दन्तो सुही होइ अस्सिं लोए परत्थ वा ॥
- 3, वाएण हीरमाणम्मि चेइयम्मि मणोरमे दुहिया असरमा अत्ता एए कंदंति भो खगा ॥
- 4, ण कोवए आयरियं अप्पाणंपि ण कोवए बुद्धोवघाई ण सिया तोत्तगवेसए ॥
- 5, तवनारायजुत्तेण भेतुण कम्मकंचुयं मुणी विगयसंगामो भवाओ परिमुच्चइ ॥

प्र.2 गमे ते चारनी व्याख्या करो.

14

- 1, एस वीरे पसंसिए जे बद्धे पडिमोयए उड्ढं तिरियं दिसासु से सव्वत्तो सव्वपरिण्णचारी ण लिप्पई छणपएण ॥
- 2, से बेमि - संति पाणा पुढवि-णिस्सिया, तण-णिस्सिया, पत्त-णिस्सिया, कट्ट-निस्सिया, गोमय णिस्सिया, कयवर-णिस्सिया । संति संपातिमा माणा, आहच्च संपयंति य अगणिं च खलु पुढा, एगे संघायमावज्जंति ।
- 3, जे गुणे से मूलद्वाणे, जे मूलद्वाणे से गुणे । इति से गुणद्वी महया परियावेणं पुणो पुणो वसे पमत्ते । तं जहा माया मे, पिया मे, भाया मे, भगिणी मे, भज्जा मे, पुत्ता मे, धुया मे, सुण्हा मे, स हि सयण संगंथ-संथुया मे विवित्तोवगरण परियद्वणभोयणच्छायणं मे ।
- 4, इमस्स चेव जीवियस्स परिवंदण-माणण-पूयणाए जाइमरणमोयणाए दुक्खपडिघायहेउं से सयमेव पुढवीसत्थं समारंभति । अण्णेहि वा पुढवीसत्थं समारंभावेति अण्णे वा पुढवीसत्थं समारंभते समणुजाणति ॥
- 5, जमिणं विरूवरूवेहिं सत्थेहिं तसकाय-समारंभेणं तसकाय सत्थं समारंभमाणे अण्णे अणेगरूवे पाणे विहिंसति, तत्थ खलु भगवया परिण्णा पविइया ।

प्र.3 गमे ते चारनी व्याख्या करो.

14

- 1, जे य कंति पिए भोए लद्धे विप्पिट्ठि कुव्वई साहीणे चयई भोए से हु चाइ त्ति वुच्चइ ॥
- 2, धिरत्थु ते जसोकामी जो तं जीवियकारणा वंतं इच्छसि आवेउं सेयं ते मरणं भवे ॥
- 3, संजमे सुद्वियप्पाणं विप्पमुक्काण ताइणं तेसिमेयमणाइण्णं निग्गंथाणं महेसिणं ॥
- 4, इमाखलु सा छज्जिवणिया णामज्झयणं समणेणभगवया महावीरेण कासवेण पवेइया सुयक्काया सुपन्नत्ता । ॥
- 5, जहा दुमस्स पुप्फेसु भमरो आवियइ रसं न य पुप्फं किलामि सो अ पीणेइ अप्पयं ॥

प्र.4 गमे ते सात शब्दो पर नोध लभो.

14

सेज्जायर, सामण्णं, मूलद्वाण, अज्झयण, छज्जीवनिकाय, कासव, समुच्छिमा मुहरी

प्र.5 आचारंगसूत्रनो परियय आपी तेना विषयवस्तु विशे ज्ञावो.

14

अथवा

प्र.5 दशवैकालिक सूत्रना कर्तानो परियय आपी सूत्रनो समग्रलक्षी परियय आपो.

—X—